



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 172]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, जनवरी 22, 2009/माघ 2, 1930

No. 172]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 22, 2009/MAGHA 2, 1930

नागर विमानन मंत्रालय

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 2009

New Delhi, the 22nd January, 2009

का.आ. 281(अ).—वायुयान अधिनियम, 1934 की धारा 6 की उप-धारा (1) के उपबंध (घ) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, यह मानते हुए कि ऐसा किया जाना सार्वजनिक संरक्षा के हित में है, निम्नलिखित आदेश करती है :—

S.O. 281(E).—In exercise of powers conferred under clause (d) of sub-section (1) of Section 6 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government, being of opinion that it is in the interest of public safety, makes the following order :—

भारत में पंजीकृत विमान का कोई भी प्रचालक (एतदप्रचात् प्रचालक के रूप में संदर्भित) जब उसे नागर विमानन मंत्रालय अथवा गृह मंत्रालय में केन्द्र सरकार के संयुक्त सचिव के न्यूनतम पद के अधिकारी (जिसे एतदप्रचात् प्राधिकृत अधिकारी कहा गया है) द्वारा ऐसा किए जाने की अपेक्षा करने पर, इस अपेक्षा में यथाविनिर्दिष्ट ऐसे प्रचालक के एक या एक से अधिक विमानों को, ऐसे कर्मों दल, अनुरक्षण कार्मिकों तथा सामग्री, जैसा कि उस विमान के प्रचालन के लिए आवश्यक होगा, अविलम्ब सार्वजनिक सेवा हेतु केन्द्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में रखे जाने के लिए सौंप देगा।

Any Operator of aircraft registered in India (hereinafter referred to as the Operator), when required to do so by an officer of the Central Government not below the rank of Joint Secretary to that Government in the Ministry of Civil Aviation or Ministry of Home Affairs (hereinafter referred to as the authorized officer), shall deliver forthwith one or more aircraft belonging to such operator as specified in the requisition to be placed at the disposal of the Central Government for the public service, with such crew, maintenance personnel and material as will be necessary for the operation of the aircraft.

2. प्राधिकृत अधिकारी अपेक्षा आदेश जारी करने से पहले स्वयं को संतुष्ट करेगा कि प्रचालक का कोई विमान उस स्थान पर अथवा उसके निकट उपलब्ध है जहां केन्द्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में रखे जाने अथवा सौंपे जाने के लिए इसकी आवश्यकता है।

3. The authorized officer shall before issuing the order of requisition, satisfy himself that an aircraft belonging to the Operator is available at or near the place at which it is required to be delivered to or be at the disposal of the Central Government.

3. केन्द्र सरकार प्रचालक को उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (2) के अंतर्गत यथानिर्धारित क्षतिपूर्ति का भुगतान करेगी।

3. The Central Government shall pay to the Operator compensation as determined under sub-section (2) of Section 6 of the said Act.

[सं. ए वी-11012/04/2009-ए]

[No. AV-11012/04/2009-A]

आर. के. सिंह, संयुक्त सचिव

R. K. SINGH, Jt. Secy.